यूटीयू लेगा सरकारी विद्यालयों को गोद

एडॉप्ट अ स्कूल योजनाः योजना के तहत प्रथम चरण में न्यूनत व अधिकतम पांच स्कूल लेगा गोद

अमर हिन्दुस्तान

देहरादून। यूटीयू अपनी सामाजिक एवं आर्थिक जिम्मेदारियों के महत्व को समते हुए एडॉप्ट अ स्कूल योजना शुरू किये जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। प्रदेश के राजकीय प्राइमरी/माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय के परिसर संस्थानों व सम्बद्ध सभी संस्थानों के माध्यम से इस योजना को धरातल पर उतारा जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के परिसर संस्थान एवं सम्बद्ध सभी संस्थान जो मेन्टर इंस्टीट्यूट के रूप में एवं गोद लिये जाने वाले विद्यालय मेन्टी इंस्टीट्यूट के रूप में जाने जायेंगे। इस योजना के तहत प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के सभी संस्थान कम से कम दो व अधिकतम पांच राजकीय प्राइमरी/ माध्यमिक विद्यालयों को चयनित कर गोद लेंगे और वहां पर अवकाश के दिनों में जाकर स्कूली छात्रों को जागरूक करेंगे। कुलपति प्रो

ओंकार सिंह ने इस संबंध में कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराने व भावी पीडी के अन्दर वैज्ञानिक चिन्तन, उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश, सूचना प्रौद्योगिकी व आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस और सोशल मीडिया के ब-सजय़ते प्रभाव, कम्प्यूटरी ज्ञान, कैरियर सम्भावनाओं, स्वास्थ्य के साथ ही कानूनी जानकारी सहित अनेकों विषयों पर स्वेच्छा से अपना योगदान देने के उद्देश्य से उन्हें प्रेरित किया जायेगा।

बच्चों को जागरूक करने का काम करेंगे

इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय के परिसर संस्थानों एवं सम्बद्ध सभी संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक स्वेच्छा से प्रदेश के राजकीय प्राइमरी एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को इन विषयों पर जागरूक करने का काम करेंगे। जिसकी समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा समीक्षा की जायेगी और समस्त गतिविधियों को विश्वविद्यालय पोर्टल पर सा-हजया किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर संस्थान एवं सभी सम्बद्ध संस्थान गोद लिये जाने वाले राजकीय प्राइमरी/ माध्यमिक विद्यालयों में आवश्यक संसाधन यथा-कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, डिसप्ले यूनिट अथवा चयनित होने वाली गतिधियों के सापेक्ष संस्थान स्तर से स्कूलों को उपलब्ध कराये जायेंगे।